



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाशरस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ – जैनशाणा पेपर - गुण : १०० - समय : २ से ५

श्रेणी-४

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न १) (क) नीचेनी पाठ पूर्ति करो.

(२०)

- १) कलह _____ माया मोसो.
- २) साईमं _____ पाढियारु.
- ३) अणुत्तर _____ सल्लकत्तणं.
- ४) पंचहिं समिईहिं _____ उच्चार-पासवण.
- ५) देवसिय _____ काउसगं.
- ६) खामेमि _____ खमन्तु मे.
- ७) खेलेसुवा _____ सोणिअेसुवा.
- ८) न फासियं _____ न आराहियं.
- ९) विराहणाअे _____ ओसा.
- १०) साडीकम्मे _____ रसवाणिज्जे.

(ख) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लिखो:

(०८)

त्रण लोकमां उत्तम, परिचय कर्यो होय, पाटियुं, वस्तुनो काळ वीती गया पछी बगडेली वस्तु वहोरावी होय
जमीन संबंधी जूठ, सुखड, अत्तर तेल आदि विलेपन करवानी वस्तुनी मर्यादा,
पाताल कळशा समान, प्रमाद करवाथी

१) विलेवणविहिं

२) फलग

३) पेयाला

४) संधवो

५) लोगुत्तमाणं

६) कालाईक्कमे

७) पमायाचरियं

८) भोमालिक

(ग) नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो:

(०७)

(मज्जणविहिं, संताणा, सईअंतरधाअे, ठाणं संपत्ताणं, ठाणेणं, सामाईस्स अणवट्टियस्स करणया, अईरत्ते)

१) संदेह पडया छतां आगळ वधायुं होय.

२) नहावाना पाणीनी मर्यादा

३) सामायिकनुं बराबर रीते पालन न कर्युं होय.

४) अति आसक्त भाव राखयो होय.

५) आ स्थानने पामेला अेवा

६) अेक ज स्थानके स्थिर राखीने.

७) करोळीयाना जाळा.

(घ) नीचेना प्रश्नोना जबाब आपो.

(१०)

१) कोई पण अेक अपाठियारी वस्तु नुं नाम लखो ?

२) व्रत अेटले शुं ?

३) अहिंसा व्रतना पालनथी क्या गुणो प्राप्त थाय छे ? तेनां बे उदाहरण आपो.

४) प्रथम गुणव्रत कयुं छे ?

५) शिक्षाव्रत केटला छे ? क्या क्या ?

६) पौषधव्रत अेटले शुं ?

७) अनर्थदंड केटला प्रकारना छे ? क्या क्या ?

८) पांचमा व्रतनी कोटी केटली ?

९) प्रथम अणुव्रत केटला समयनुं छे ?

१०) परिग्रह अेटले शुं ? ते क्या क्या छे ?

(च) धर्मध्यानना आधारे जबाब लखो.

(०३)

१) त्रण लोकनो आकार केवो छे ?

२) लोक केटला छे ? क्या क्या ?

३) भवनपतिना भवनो केटला छे ?

(छ) जोडका जोडो.		(०२)
१) आणारुई	<input type="text"/>	१) संसार विशे विचार चिंतववो
२) अवायविजये	<input type="text"/>	२) अनुप्रेक्षाओ
३) संसाराणुपेहा	<input type="text"/>	३) दुःखनो विचार चिंतववो
४) अणुपेहाओ	<input type="text"/>	४) आज्ञानी रुची

प्रश्न २ (अ) तत्व विभाग / संस्कार विभागना आधारे जवाब लखो. **(०६)**

१) मात्र संख्या लखो. **(०२)**

(१) आत्मा	<input type="text"/>
(२) गुणस्थान	<input type="text"/>
(३) प्राण	<input type="text"/>
(४) उपयोग	<input type="text"/>

२) जेना जवाबमां पांच बोल होय तेना बोलना फक्त नाम लखो ? (कोई पण चार) **(०२)**

३) पर्याप्ति केटली छे ? प्रथम चार नाम लखो ? **(०२)**

(ब) साचो जवाब शोधी ने लखो. **(०५)**

- १) पांच इन्द्रियना विषय (१४, २३, ३०, ५)
- २) पुण्यना भेद (५, ४, ६, ९)
- ३) समवाय (२, ३, ४, ५)
- ४) छ द्रव्यना बोल (२५, ३०, २४, २९)
- ५) क्रियावादी ना भेद (१८०, ३६३, ८४, २९)
- ६) भावना ना बोल (३०, ५, २३, ३३)
- ७) दंडक (११५, २४, २५, ८०)
- ८) संवर ना भेद (२०, १४, १२, ८)
- ९) दष्टि नो बोल (१८, १५, ५, १०)
- १०) उपयोग (१२, १५, ६, ९)

(क) खोटा जवाब ने गोळ करो.

(१०)

- १) तेजो, शुक्ल, पदम, तप
- २) अत्रत, पैशुन्य, रई-अरई, माया
- ३) अणसण, विनय, ध्यान, अप्रमाद
- ४) सुंवाळो, तीखो, हलको, शीत
- ५) प्रत्यक्ष, वीररस, अनुमान, उपमान
- ६) गंभीर, दयावंत, यशवंत, संवर
- ७) मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, केवळज्ञान, श्रुतअज्ञान
- ८) सास्वादन, प्रमतसंजति, गोत्र, सूक्ष्मसंपराय
- ९) आश्रव, मोक्ष, अग्निकुमार, पाप
- १०) जीव, काल, धर्मास्तिकाय, शब्दनय

(ढ) खाली जग्या पूरो.

(०५)

- १) वस्तु ना स्वभावने (धर्म / अधर्म) कहे छे.
- २) प्रशंसाने धर्मनी भाषामां (गुणानुराग / गुणानुं प्रेमी) कहे छे.
- ३) (केवळदर्शन / केवळज्ञान) थी तेओ आखा जगत ने जोई शके छे.
- ४) "गुस्सा" ने धर्मनी भाषामां (क्रोध / क्षमा) कहे छे.
- ५) टी.वी. जोवाथी (कंकास / समयनी) बरबादी थाय छे.

जोडका जोडो.

(०४)

- | | | |
|-----------------------------|--------------------------|-------------------|
| १) अक्षर बळवाथी | <input type="checkbox"/> | १) नीच गोत्र कर्म |
| २) Live | <input type="checkbox"/> | २) मान |
| ३) संपत्तिनुं अभिमान करवाथी | <input type="checkbox"/> | ३) रोगो थाय |
| ४) टी.वी. | <input type="checkbox"/> | ४) आनंद माणवाथी |
| ५) नम्रता | <input type="checkbox"/> | ५) क्रोध |
| ६) क्षमा | <input type="checkbox"/> | ६) And Let Live |
| ७) फटाकडाना झेरी धुमाडाथी | <input type="checkbox"/> | ७) ऐक दूषण |
| ८) मोहनीय कर्म | <input type="checkbox"/> | ८) ज्ञानावरणीय |

प्रश्न ३) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो.

(०५)

१) मेघरथ ना लग्न कोनी साथे थयां ?

२) रोहिणेय चोर कया पर्वतनी गुफामां रहेतो हतो ?

३) धन्नाजी अने शालिभद्र मृत्यु पामीने क्यां गया ?

४) धर्मरुचि अणगारनो अधिकार कया सूत्रमां आवे छे ?

५) कोना शरीरमां १६ रोगो उत्पन्न थया ?

प्रश्न ४) खाली जग्या पूरो.

(०२)

१) राजगृही नगरनी पासे मां धन्या नामनी स्त्री रहेती हती.

२) पिता तीर्थकर राजा मेघरथना गाममां पधार्या.

प्रश्न ५) कोन कोने कहे छे?

(०३)

१) “तुं शो धंधो करे छे ?”

२) “बेटा! श्रेणिक महाराजा पधार्या छे, तमे नीचे आवो.”

३) “जो तमे आ शाक खाशो तो जरुरथी मृत्यु पामशो.”

प्रश्न ६) काव्य पूर्ति करो.

(१०)

१) मुक्ति मंगल स्थान,

.....

..... जीवने तो तृप्ति थाये घणी.

२) आशा जीवननी जाय पण,

.....

..... पण धर्मने हूं नव गणुं.

३) सीमंधर प्रमुख,

.....

..... जयवंता, जगदीश.

४) हूं कामधेनु

.....

..... लुब्ध आ संसारमां.

५) श्री भरतेश्वरना,

.....

..... शिवपुर वाट.